भगवान श्री कृष्ण जी की आरती

ओ३म् जय श्री कृष्ण हरे, प्रभु जय श्री कृष्ण हरे ।

भक्तन के दुख सारे पल में दूर करे ।

परमानन्द मुरारी मोहन गिरधारी ।

जय रस रास बिहारी जय जय गिरधारी ।

कर कंचन कटि सोहत कानन में बाला ।

मोर मुकुट पीताम्बर सोहे बनमाला ।

दीन सुदामा तारे दरिद्रों के दुख टारे ।

गज के फन्द छुड़ाए भव सागर तारे ।

हिरण्यकश्यप संहारे नरसिंह रूप धरे ।

पाहन से प्रभु प्रगटे जन के बीच परे ।

पापी कंस विदारे नल कूबर तारे ।

दामोदर छवि सुन्दर भगतन के प्यारे ।

काली नाग नथैया नटवर छवि सोहे ।

फन-फन नाचा करते नागन मन मोहे ।

राज्य उग्रसेन पाये माता शोक हरे ।

द्रुपद सुता पत राखी करुणा लाज भरे ।

ओ३म् जय श्री कृष्ण हरे ॥

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in